दैनिक जागरण
7 नवंबर 2015
संगिनी
जिंदगी के हर पहलू की

महिलाओं की ख़ास तकलीफ़ों
का सर्वोत्तम उपाय
✓ अनियमितता ✓ खून की कमी
✓ कठिन दिनों के दर्द ✓ कमज़ोरी
✓ थकान, चिड़चिड़ापन ✓ खून साफ करे
✓ हार्मोन्स असंतुलन ✓ रूप निखारे
हेमपुष्पा
90 वर्षों से महिलाओं की No.1 औषधि व टॉनिक
S-2082

दीवाली विशेष

यशा माथुर

हौसलों की रोशनी

'वन एम वन बी' का कॉन्सेप्ट लेकर चल रही हैं आज की महिलाएं यानी एक मिलियन महिलाएं एक बिलियन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही हैं। वे चाहे सोशल एंटरप्रेन्योर बनी हों या फिर स्टार्टअप्स की को-फाउंडर, काम के बड़े अवसर क्रिएट कर रही हैं। उनकी मेहनत से कई घरों के चिराग जल रहे हैं। दीप जगमगा रहे हैं उनके हौसलों की रोशनी से...

मीना बिंद्रा ने मात्र आठ हजार रुपये कर्ज लेकर शुरू किए अपने व्यवसाय को 'बीबा' नाम से ग्लोबल ब्रांड में बदल दिया। खाली समय बिताने के लिए रेडीमेड कपड़े बनाने और बेचने से शुरू हुआ कारोबार आज करोड़ों का व्यवसाय बन गया और हजारों कारीगर उनसे जुड़ गए। गुवाहाटी की बीनापानी तालुकदार ने एक छोटे लेवल पर फूल सुखाकर बेचने का काम शुरू किया। फिर स्थानीय महिलाओं को साथ लेकर उन्होंने असम की सिल्क के हैंडबैग व स्टोल तैयार किए और एक्सपोर्ट करने शुरू किए। बीनापानी ने हजारों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए। राजस्थान की ब्लू पॉटरी के कारीगर, जो रोजी की तलाश में गांव से शहर आ गए थे, उन्हें वापस जड़ों तक पहुंचाकर उनकी मदद करने का लक्ष्य था लीला बोर्डिया का। उन्होंने पंद्रह से ज्यादा गांवों के लगभग 500 परिवारों की सहायता से न केवल 'ब्लू पॉटरी' को जीवित रखा है, बल्कि इन परिवारों की मदद भी कर रही हैं। इन महिलाओं ने भले ही अपने शौक या आर्थिक मजबूरी या सेवा करने की चाहत के चलते व्यवसाय शुरू किया हो, लेकिन आज की महिला उद्यमियों को रोशनी का रास्ता जरूर दिखा दिया है। उन्हें बताया है कि वे हजारों को काम देने की काबिलियत रखती हैं। अपनी क्षमताओं को पहचानती हुई महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपना कारोबार लेकर आ रही हैं और 'वनएमवनबी' के कॉन्सेप्ट को साकार कर रही हैं।

डिग्निटी के साथ किया काम

अगर आपमें इच्छा हो तो रास्ते अपने आप बन जाते हैं। कहीं फेल भी होते हैं तो उससे सबक लीजिए। लिटरेसी इंडिया व इंधाक्राफ्ट की फाउंडर व मैनेजिंग ट्रस्टी कैप्टन इंद्राणी सिंह के साथ जुड़ी महिलाएं आज आर्थिक रूप से सशक्त हो चुकी हैं। इंद्राणी एयर इंडिया की सीनियर पायलट हैं। वह गरीब बच्चों को शिक्षित करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की ट्रेनिंग दे रही हैं। 'इंधाक्राफ्ट' के तहत हाथ से बुने बैग, घर सजाने का सामान, कॉरपोरेट गिफ्ट्स तैयार किये जाते हैं। वह कहती हैं, 'मैं बस काम करती हूं। मैंने क्वालिटी और डिजाइंस को इंप्रूव किया, मार्केटिंग पर फोकस किया और बिजनेस को बढ़ाया।'

दस घरों में और दीया जले

वन एम वन बी फाउंडेशन की को-फाउंडर हैं स्वाति सुबोध। वह कहती हैं कि अपनी सोसायटी, अपना कल्चर, अपने हैंडीक्राफ्ट को महिलाओं से ज्यादा और कौन समझ सकता है। बस इसे बाहर ले जाने की देर है। हम इनकी सॉफ्ट स्किल्स को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। स्वाति सोशल एंटरप्रेन्योरशिप को काफी प्रभावी मानती हैं। वह कहती हैं, 'सोशल एंटरप्रेन्योर का मतलब यह है कि आप भी कमाएं और अपनी सोसायटी व कम्युनिटी के लिए भी कमाएं। सिर्फ आपके घर में दीया नहीं जले, बल्कि कम से कम दस घरों में और जले यानी एक महिला दस महिलाओं को एंपावर करे तो हमारा प्रयास सफल होगा।'

(शेष पृष्ठ 3 पर)

संतान सुख अब सपना नहीं हकीकत
हमारे सीनियर नि:सन्तान दम्पत्ति विशेषज्ञों से गुड़गांव सेन्टर में मिलने के लिए संपर्क करें टोल फ्री : 18001026706
हमारे सीनियर नि:सन्तान दम्पत्ति विशेषज्ञों को गाजियाबाद में 07 नवम्बर, पलवल में 07 नवम्बर, ग्रेटर नोएडा में 24 नवम्बर, रेवाड़ी में 26 नवम्बर तथा रोहतक में 04 दिसंबर को मिलने के लिए संपर्क करें टोल फ्री : 18001026706

आप नीलकंठ आईवीएफ हॉस्पिटल क्यो नहीं जाते
आईवीएफ तकनीक से हमारी नि:सन्तान दम्पत्ति विशेषज्ञो से आप पा सकते है।
नीलकंठ आईवीएफ हॉस्पिटल आकर संतान का परम सुख पा सकते है।

प्रजनन विज्ञान विभाग द्वारा जारी
हमारे पास न केवल 30 साल का अनुभव है बल्कि वर्ष 2003 में गुड़गांव को प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी देने का भी गौरव प्राप्त है। हमने पिछले 30 वर्षों में पूरे भारत तथा विदेश में असंख्य लोगों का सफल इलाज किया है और जटिल से जटिल नि:संतान रोगियों को भी संतान सुख प्राप्त कराने में सफलता हासिल की है। नीलकंठ आईवीएफ अस्पताल ना केवल भारत के इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा नि:संतान दसम्पत्तियों का ईलाज करने वाले चुनिंदा अस्पतालों में से है बल्कि आईवीएफ क्षेत्र में डॉक्टरों को प्रशिक्षण प्रदान करने केलिए इंस्टिट्यूट की सुविधा भी देता है।

सुविधाएं
- आईवीएफ, आईसीएसआई, आईयूआई
- लैप्रोस्कोपिक सर्जरी (यूटिराइन, ट्यूमर, फाइब्रोयड्स एवं सिस्ट)
- हिस्टेरोस्कोपिक सर्जरी
- नौन सर्जिकल ट्रीटमेंट: फाइब्रोयड्स (इम्बोलाइजेशन) एवं ब्लौक्ड फौलोपियन ट्युब्स हेतु
- हार्मोनल एसेज
- स्पर्म बैंक • स्पर्म फ्रीजिंग
- एंमब्रियो फ्रीजिंग
- असिस्टिड हैचिंग
- फ्रोजन एंमब्रियो ट्रांसफर
- गैमीट इंट्रा फैलोपियन ट्रांसफर (गिफ्ट)

RISING STARS
Neelkanth IVF Hospital has been selected as Rising Star Brand by Power Brands for 2012
NEELKANTH IVF HOSPITAL
... we have the experience
मेहरौली-गुड़गांव रोड़, गुरु द्रोणाचार्य मेट्रो स्टेशन के पास, डी.एल.एफ. फेज-3, गुड़गांव
Tel. 18001026706
ivf@neelkanthhospital.com | www.neelkanthivfhospital.com
नीलकंठ आईवीएफ हॉस्पीटल, गुड़गांव अब कानपुर, लखनऊ, देहरादून, मुरादाबाद, चंडीगढ़, आगरा, हरिद्वार, ग्रेटर नोएडा, हल्द्वानी, अलीगढ़, वाराणसी, पटना, बरेली, रेवाड़ी, जम्मू, रोहतक, रांची, गोरखपुर, गाजियाबाद तथा पलवल में भी
नीलकंठ IVF Hospital गुड़गॉव को ABP News ब्रान्ड ऐक्सीलेन्स अवार्ड मिला है

फेस्टिव डेकोरेशन

कीर्ति सिंह

सजावट को दें खास अंदाज

दीपावली के दस्तक देते ही खिल उठता है मन। चूंकि दीपावली मां लक्ष्मी की अराधना का पर्व है और वह तभी प्रसन्न होती हैं, जब घर में स्वच्छता होती है। इसलिए इस पर्व के दस्तक देने से काफी पहले ही शुरू हो जाता है घर की साफ-सफाई का दौर। इसके बाद बारी आती है यूनीक आइडियाज के साथ घर की आंतरिक साज-सज्जा को मोहक रूप देने की। यकीन मानिए इसके लिए आपको ज्यादा धन खर्च करने की जरूरत नहीं है। बस थोड़ी सी सूझ-बूझ से आपके घर की सजावट को मिल सकते हैं नए आयाम।

घर के बाहर रंगोली व दीपक तो हम हमेशा ही सजाते हैं तो क्यों न इस बार दोनों के कांबिनेशन से दें सजावट को नया लुक। रंग-बिरंगे फूलों से रंगोली बनाएं और उनके बीच में सजाएं दीपक व कैंडिल्स। घर के भीतर सजाने के लिए प्लेन व्हाइट कैंडिल्स और सामान्य दीयों के बजाय कलरफुल कैंडिल्स व डेकोरेटिव दीयों का इस्तेमाल करें। घर अगर छोटा है तो फ्लोर पर कलरफुल कुशन्स के साथ सीटिंग अरेंजमेंट या रंगोली के साथ उसके एक कॉर्नर को हाईलाइट कर सकती हैं। कुशन्स पर चढ़ाएं चटख फेस्टिव कलर्स वाले कवर। कलरफुल बीड्स से तैयार बंदनवार आपके घर को देगा डिफरेंट लुक। हैंगिंग लालटेन या दीपकों से भी आपके घर की सजावट को मिलेगी नयी छटा। गणेश जी की मूर्ति है शुभता का प्रतीक। इसे डेकोरेटिव पीस के तौर पर सजा सकती हैं। वहीं इनडोर प्लांट्स तो सदा ही अच्छे लगते हैं। इनके प्लांटर्स को इस प्रकार पेंट करें, जो घर की सजावट की थीम से मैच करे। ये सभी आइडियाज के साथ कम खर्च में आप घर की सजावट को दे सकती हैं खास अंदाज।

Vaseline
अगर वेसिलीन एक पत्ती को इतना स्वस्थ रख सकता है तो सोचिये, यह आपकी त्वचा का खयाल किस तरह रख सकता है.

वेसिलीन के पोषण युक्त
सामान्य पत्ता
THE HEALING POWER OF